PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Hindustan, Delhi
Mon, 05 Jun 2017, Page 18
Width: 67.97 cms, Height: 18.05 cms, a3r, Ref: 41.2017-06-05.146

जीएसएलवी एमके-3 अंतरिक्ष में नई राह खोलेगा

स्वदेशी रॉकेट जीएसएलवी एमके-3 को सोमवार को प्रक्षेपित किया जाएगा। ● प्रेट्र

इतिहास रचेगा

हैदराबाद | एजेंसी

देश के सबसे बड़े स्वदेशी रॉकेट जीएसएलवी एमके-3 के लॉन्च का काउंट डाउन शुरू हो चुका है। भारत का सबसे भारी यह रॉकेट संचार उपग्रह जीसैट-19 को लेकर जाएगा। इसकी कामयाबी से भविष्य में अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने में भारत का रास्ता भी साफ हो जाएगा।

इस रॉकेट को सोमवार शाम 5 बजकर 28 मिनट पर श्रीहरिकोटा से उड़ान भरना है। इसरो ने कहा कि इसके प्रक्षेपण के लिए 25 घंटे से अधिक की उल्टी गिनती दोपहर तीन बजकर 58 मिनट पर शुरू हुई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख के. राधाकृष्णन ने कहा कि भूस्थिर उपग्रह प्रक्षेपण यान (जीएसएलवी) एमके-3 प्रक्षेपण मील का पत्थर है, क्योंकि इसरो इसकी प्रक्षेपण की क्षमता 2.2-2.3 टन से बढ़ाकर करीब दोगुना 3.5-4 टन कर रहा है।

जीएसएलवी एमके-3

- इसके जरिये बड़े उपग्रहों का देश में ही प्रक्षेपण हो सकेगा
- यह साधारण, बेहतर पेलोड वाला और मजबूत प्रक्षेपण यान
- कुल वजन 640 टन, यह करीब 200 हाथियों के बराबर है
- यह हाई स्पीड इंटरनेट सेवाएं मुहैया कराने में सक्षम है
- जीएसएलवी एमके-3 भविष्य के भारत का रॉकेट है

> यह अब तक का सबसे भारी रॉकेट और उपग्रह है जिसे देश से छोड़ा जाना है। – **एएस किरण कुमार**, इसरो चेयरमैन

इंटरनेट गति बढ़ेगी

सोमवार को जीएसएलवी एमके-3 के जरिये उपग्रह जीसैट-19 को भी भेजा जाएगा। इसके सफल प्रक्षेपण के बाद इंटरनेट की गति में वृद्धि हो जाएगी। डेढ़ साल में दो अन्य संचार उपग्रहों जीसैट-11, जीसैट-20 को भी अंतरिक्ष में भेजने की योजना है।

जीसैट-19

- अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, अहमदाबाद में बनाया गया है
- यह पुराने 6-7 संचार उपग्रहों के समूह के बराबर होगा
- पहली बार किसी उपग्रह पर कोई ट्रांसपोंडर नहीं होगा
- यह प्रति सेकंड चार गीगाबाइट डेटा देने में सक्षम होगा

लगभग 3.2 टन वजनी है, इसकी उम्र 15 वर्ष होगी

जीसैट-11

- इसका आगामी कुछ महीनों में प्रक्षेपण किया जाएगा, वजन 5.8 टन है, इसे अमेरिका की मदद से भेजा जाएगा
- इस साल के आखिरी में इसे अंतरिक्ष में छोड़ा जाएगा, यह प्रति सेकंड 13 गीगाबाइट डेटा देने में सक्षम होगा

जीसैट-20

- 2018 अंत तक प्रक्षेपण की योजना, इसका डेटा रेट 60-70 गीगाबाइट प्रति सेकंड होगा